c. परि praef. सम् *i. q. simpl.* MAH. 3. 10067.: गात्रम् मे सम्परिदह्यती 'व·

c. प्र *id.* MAH. 3. 2394.: वृक्षस्य प्रदह्यतः·

1. दा 3. *P. A.* (anom. v. gr. 694.) dare *c. acc. rei et dat. vel gen. vel loc. pers.* N. 5. 37.: लोकान् आत्मप्रभांश्चै 'व ददौ तस्मै हुताशनः; BH. 3. 12.: इष्टान् भोगान् हि वो देवा दास्यन्ते; MAN. 3. 95.: गाम् दत्वा विधिवद् गुरोः; R. II. 79. 15.: यस् त्वम् स्येष्ठ नृपसुते पृथिवीन् दातुम् इच्छसि· — In matrimonium dare. R. Schl. I. 66. 27.: सीतान् दद्यान् दाशरथेः· — *Notentur locutiones:* जानु दातुम् genu imponere, DR. 9. 5.; अर्गलिन् दातुम् «obdere pessulum», UP. 58.; द्वारन् दातुम् portam aperire, MR. 94. 6. *infr.*; पन्थानन् दातुम् dare viam *alicui*, decedere alicui de viâ, MAH. 1. 6703.; भयम् vel भयानि दातुम् metum injicere *alicui*, UP. 60.; परिरम्भणान् दातुम् amplecti, GITA-GOV. III. 7. 8.; कम्पन् दातुम् saltare, HIT. 63. 15. — *Cum Infin.* 1) jubere. MAH. 1. 1188.: ददौच तन् निधिम् अमृतस्य रक्षितुम् किरीटिने· 2) permittere, sinere. 1528.: न दास्यामि समादातुं सोमङ् कस्मैचिद् अप्य् अहम् (cf. Il. I. 338.: ἔξαγε κούρην καί σφωϊν δὸς ἄγειν). पुनर् दातुम् reddere, MAH. 3483. — *Pass.* दीये (gr. 494.), *Caus.* दापयामि 1) facere ut alqs. det c. 2. acc. MAN. 7. 127.: वणिजो दापयेत् करान्; 8. 59.: तौ नृपेण ह्य् अधर्मज्ञौ दाप्यौ तद्द्विगुणान् दमम्· 2) dandum curare. R. Schl. II. 70. 4.: इमानि वस्त्राणि मातुलस्य दापय· — *Desid.* दित्स् e दिदास् ejecto अ. BR. 17.: ताञ् चेद् अहन् न दित्सेयम्; DR. 4. 17.: सर्वम् मे दित्सितन् त्वया· (V. दास्, रा, ला et cf. gr. δίδωμι = ददामि; lith. *dûmi* do pro *dûdmi*, *dûs-ti* dat e *dûd-ti*, gr. comp. 457., *dûs-te* datis e *dûd-te*; slav. *damj* e *dadmj*, gr. comp. 436.; lat. *da-re*; hib. *daighim* «I give»; *dailim* «I give», e *daidim*, nisi pertinet ad दल् q. v.; cambro-brit. *dodi* dare.)

c. अभि dare. MAH. 3. 13309.: अभ्यदात्·

c. आ *A. interdum P.* sumere, capere, tollere, levare, abripere, demere, accipere (proprie sibi dare). BR. 3. 23.: तृणम् आदाय; H. 1. 9.: आदाय कुन्तीम् भ्रातृंश्च (cf. sl. 7.); SU. 4. 2.: देवगन्धर्वयक्षाणाम् ... आदाय सर्वरत्नानि; RAM. I. 19. 27.: वीर्यवतां वीर्यम् आदत्ते युधि; RAGH. 8. 18.: आसनम् आददे; MAH. 1. 3483.: स्वश्चा 'दास्यामि भूयः पाप्मानन् जरया सह; RAGH. 3. 14.: हुतम् अग्निर् आददे· — पद्धतिम् आदातुम् viam ingredi, inire. RAGH. 3. 46.: वचनम् आदातुम् dicere, loqui. A. 3. 48.: अहम् ... वचनम् आददे· — *Part. pass.* आत्त (ex आदात ejecto अ mutato द् in त्) captus, arreptus. RAGH. 15. 46.: आत्तशस्त्र·

c. आ praef. उप *A. id.* H. 1. 7. N. 13. 75. 23. 16. 25. 19. — *PAR.* dare. R. Schl. II. 96. 36.: उपाददाद् भ्रात्रेर् मधु मांसञ्च·

c. आ praef. सम् + उप (समुपादा) *A. i. q.* आदा· MAH. 3. 11876.: तेजांसि समुपादत्ते·

c. आ praef. प्रति *A. zurücknehmen*, retractare, revocare, rescindere. MAH. 1. 785.: नचा 'हं शक्तः शापम् प्रत्यादातुम्·

c. आ praef. वि aperire, *praesertim* os. *Part. pass.* व्यात्त e व्यादात ejecto आ, et व्यादित, sicut स्थित a स्था· N. 12. 20.: व्यात्तास्य; BH. 12. 24.: व्यात्ताननं; MAH. 2. 946. 3. 11115.: व्यादितास्य· — व्याददान os suum aperiens, *omisso* अस्य· M. 3. 11502.

c. आ praef. सम् *A. i. q.* आदा· DEV. 9. 31.: सच शूलं समाददे· IN. 3. 1. N. 23. 13. 20. MAH. 3. 11395.

c. परा *in dial. Vêd.* 1) prodere. RIG-V. 104. 8.: मा नो वधीर् इन्द्र मा परादाः· 2) dare. RIG.-V. 81. 6.: यो अर्यो मर्तभोजनम् पराददाति दाशुषे «qui dominus mortali idoneum cibum largitur sacrificanti».

c. परि dare. MAN. 9. 326.: वैश्याय परिददे पशून्; MAH. 3. 17039.: पृथाम् परिददौ द्विजाय·

c. प्र 1) *id.* IN. 3. 8. N. 5. 37. 38. DR. 4. 16. — In matrimonium dare. SA. 2. 26.: सकृत् कन्या प्रदीयते· 2) prodere. MAH. 1. 6219.: सुहृज्जनम् प्रदातुन् न शक्ष्यामि· 3) divulgare, narrare. MAH. 1. 6306.: प्रवृत्तिम् प्रददुः पुरे· — *Part. pass.* प्रत्त ex प्रदात *ejecto* आ·

c. प्र praef. सम् dare. MAH. 2. 148. 3. 8531. — *Caus.* dan-